जिंदगी ही नशा है।

एक मनुष्य के लिए उसकी जिंदगी ही सब कुछ है। हर एक मनुष्य का सपना है कि वो अपनी जिंदगी अच्छे से, सही तरीके से बिता पाएँ और सफलता प्राप्त करें। जिस प्रकार एक बार नशे की लत लग जाने पर मनुष्य उसे पाने के लिए कुछ भी कर सकता है, उसी प्रकार जिंदगी भी एक नशा है जिसे जीने के लिए मनुष्य को सारी सीमाओं को पार करना पड़ता है। जिंदगी जीने के लिए मनुष्य कुछ भी कर सकता है।

प्राचीन काल से ही जिंदगी जीने के तरीकों में बहुत से बदलाव आएँ है। आज हम तकनीकी और विज्ञान से भरे आधुनिक समाज का हिस्सा हैं। आज के इस दौर में में जिंदगी भाग दौड़ भरी हुई है। हर एक मनुष्य अपनी जिंदगी को बेहतर बनाने में लगा हुआ है। आज कल लोग जिंदगी के इस नशे में इतने लापता हो गए है कि उन्हें अपने स्वार्थ के अलावा और कुछ भी दिखाई नहीं पड़ता। वे दूसरों के दर्द और समस्याओं

को बड़ी ही आसानी से अंदेखा कर देते हैं। जिस प्रकार नशे के बहुत सारे हानिकारक दोष होते है उसी प्रकार आज कल के लोगों ने जिंदगी जीने के नाम पर हर तरफ हानिकारक दोष फैलायुं है। यह दोष हमारी सामाजिक समस्याओं के रूप में उपस्थित हैं। आज के इस आधुनिक युग में चारों तरफ़ भ्रष्टाचार, रिश्वत, मेहंगाई, चोरी - डकैती और मादक पदार्थों की लत जैसी समस्याएँ फैली हुई हैं। बहुत से लोगों ने इन्हें पैसे कमाने का मार्ग बना लिया हैं। जिंदगी को वे बेईमानी से जीते हैं। ऐसे लोगों का यह मानना होता है कि जिंदगी में सफलता हासिल करने के लिए उन्हें बेईमानी का रास्ता ही चुनना पड़ेगा और वे लोग अपनी लालच का कारण अपनी जिंदगी पर डाल ~~के~~ देते है जो बिलकुल गलत हैं।

जिंदगी में सफलता हासिल करने के लिए अगर एक मनुष्य को अपने मान - सम्मान, अपनी सच्चाई से समझौता करना पड़े तो उस मनुष्य की जिंदगी का कोई अर्थ नहीं हैं। अपनी

जिंदगी को सच्चाई और ईमानदारी के साथ बिताना ही असल सफलता होती हैं।

बहुत सारे लोगों को जीवित रहने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ती हैं। अगर एक मनुष्य का हृदय साफ है तो वो अपने ईमान को कभी नहीं छोड़ेगा। चाहे कितनी ही बुरी स्थिति आ जाएँ मगर वो हमेशा सच्चाई का रास्ता ही अपनाएगा। लेकिन बहुत बार ऐसा होता है, कि ईमानदार व्यक्ति भी अपनी भूख के आगे हार जाता है। हैं बढ़ती मेहंगाई और गरीबी ही है सारे सामाजिक बुराइयों की जड़। कुछ प्रदेशों में इतनी बुरी हालत होती है कि वो दो वक्त अपना पेट भी भर नहीं सकते हैं। जिसके पास अच्छी जिंदगी होती है वो उसका फायदा उठाता है और अपनी अनमोल जिंदगी को बरबाद कर देता है और बहुत से ऐसे भी लोग होते है जो अपनी जिंदगी के लिए लड़ाई करते हैं।

आज कल जिंदगी का असली मूल्य और जिंदगी की अनमोलता भ्रष्ट होती जा रही हैं।

(**Note**: Graded Items may be published in **Schoolwki.** So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

नशे में जिस प्रकार आदमी लोक-संसार भूल जाता है उसी प्रकार आज मनुष्य जिंदगी के मोल को भी भूलता जा रहा है।

एक मनुष्य की जिंदगी पर उसके परिवार का प्रभाव पड़ता है, उसके दोस्तों का प्रभाव पड़ता है और उसके गुरुजनों का प्रभाव पड़ता है, इसलिए यह बहुत अधिक महत्वपूर्ण कार्य है कि उसका वातावरण अच्छा हो। उसे अगर एक व्यक्ति को बचपन से ही सही शिक्षा और सही संस्कार मिले तो बड़े हो कर वो एक अच्छा आदमी बनेगा। जिंदगी को सच्चाई और ईमानदारी के साथ बिताना ही हमारी प्राथमिकता होती है।

आज मनुष्य ने बहुत प्रगती कर ली है। उसके कठिन परिश्रम के फल स्वरूप हम आज इतनी सुविधाओं का लाभ उठा पा रहे हैं। पुराने ज़माने के मुकाबले आज हमारी जिंदगी बिताने के लिए बहुत अधिक सुविधाएँ उपलब्ध है मगर कुछ भी पुराने ज़माने की तरह नहीं रहा। लोग लालची हो गए है, जो अपने स्वार्थ के अपने परिवारवालों को

भी धोखा देते है। मानो जैसी धोखाधड़ी उनके खून में उपस्थित है। आज-कल हम खबरों में अक्सर सुनते है कि बेटे ने बाप की हत्या कर दी या एक भाई ने दूसरे भाई की हत्या की और इन सब के पीछे का कारण अधिकतर सम्पत्ति या फिर अधिकार होता है। लोग अपने स्वार्थ में इतने अंधे हो गए है कि उन्हें अपने खुन के रिश्ते का खयाल तक नहीं है। जिंदगी में अधिकार और ताकत प्राप्त करने के नशे में वो इतने ज्यादा लापता है कि उन्होंने अपनी इंसानियत को भी मानो बेच दिया हो।

लोग अपनी स्वार्थी जिंदगी के नशे में इतने धुत है कि उन्हें कुछ याद ना रहा। यहाँ तक कि बड़े-बड़े राजनीतिज्ञ जिनका कर्तव्य होता है कि वे लोग गरीबों की मदद करे, आम आदमियों की सेवा करे वो तक भ्रष्टाचार में डूबे हुए है। भारत एक लोकतांत्रिक देश है और यहाँ पर लोग सरकार इसलिए चुनते है ताकि वो उनकी समस्याओं का उपाय निकाल सके और उनकी

(Note: Graded Items may be published in Schoolwki. So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

सहायता करे। परंतु राजनीतिज्ञ अपने सार वचनों को भुलाकर अंत में स्वार्थी हो जाते हैं वह लोग अपना कर्तव्य निभाने में असफल हो जाते हैं। गरीब बेसहारे लोगों की सहायता करना उनका कर्तव्य है और यह बात उन्हें कभी भी भूलनी नहीं चाहिए।

अंधविश्वास भी जिंदगी के असल मायनों को भ्रष्ट कर देता है। विश्वास और अंधविश्वास के मध्य एक बहुत पतली रेखा होती है और मनुष्य कब अंधविश्वास के अंधेरे की चपेट में आ जाता है यह उसे खुद भी पता नहीं चलता। ऐसा कहा जाता है कि पुराने ज़माने में शिक्षा की कमी के कारण अंधविश्वास ने लोगों के मन में घर कर लिया था परंतु आश्चर्य की बात तो यह है कि आज इतनी प्रगती करने के पश्चात भी अनगिनत लोग अंधविश्वास का शिकार होते हैं। यह लोगों की जिंदगी को बरबाद करने का काम करता परंतु मनुष्य अपने नशे में सारी सच्चाई को अनदेखा कर सिर्फ अपने लालच के लिए तांत्रिकों की बातों में फँस जाता

फँस्य जाता है। आज भी नर बलि जैसी प्रथाओं का समाज में उपास्थित होना बड़े ही खेद की बात है। यह एक तरीके से हास्यास्पद भी है कि दूसरे इंसान या एक जानवर का जीवन लेने से लोग मानते हैं कि उनकी जिंदगी की समस्याओं का उपाय हो जाएगा। आजकल मगर अंधविश्वास के खिलाफ आवाज़ उठाने वालों की तादाद भी बढ़ गई है यह एक आश्वास की बात है।

यदि एक मनुष्य को अपना जिंदगी सुख और शांति से जीना है तो इन सारी समस्याओं को हमें जड़ से निकाल फेंकना होगा। संसार में शांति लाने के लिए असमानता जैसी समस्याओं को मिटाना भी आवश्यक है। असमानता कई रूप में आज भी उपास्थित है। कुछ जगहों पर धर्म के नाम पर, कहीं पर जाति के नाम पर, अमीरी - गरीबी के नाम पर और कुछ जगह लिंग के आधार पर। यदि हमें अच्छी जिंदगी बितानी है तो इन उसमानताओं को मिटाना होगा। मनुष्य होना ही सबसे बड़ी बात है। मनुष्य होने के नाते दूसरे मनुष्य की परेशानि और

उसके दर्द को समझना हमारा पहला कर्तव्य है।

जिंदगी को सुंदर बनाने के लिए सिर्फ दूसरे मनुष्य के बारे में ही नहीं बल्कि इस धरती पर जिंदा हर एक जीव - जंतु, हर एक फूल - पौधे के बारे में भी हमें सोचना चाहिए। आज हमारे प्रकृति की बुरी अवस्था के बारे में सब को पता है और यह मानवीय गतिविधियों का परिणाम है। यदि एक मनुष्य की जिंदगी सुंदर बनानी हो तो ~~प्रकृति~~ पर्यावरण संरक्षण भी ज़रूरी है। हमें अपनी जिंदगी के नशे में और प्रगती के नाम में इतना भी अंधा नहीं होना चाहिए कि हम हमारी आगे आने वाले पीढ़ी के लिए पर्यावरण में कुछ बचा ना पाएँ। हमारे पूरवजों का एहसान है की हमें प्राकृतिक संसाधनों की कोई कमी नहीं है और हम अपनी जिंदगी खुशहाल होकर गुज़ार रहे है तो यह हमारा कर्तव्य है कि हम हमारी आगे वाली पीढ़ी की जिंदगी के बारे में भी सोचे।

अगर एक मनुष्य को अपने जिंदगी में सफल होना है और इन सारी समस्याओं को खतम करना

है तो उसके जिंदगी में सबसे ज्यादा महत्व शिक्षा का है। इसलिए सरकार को और सभी को यह ध्यान रखना चाहिए की सबको सही शिक्षा मिले।

दूसरों की जिंदगी बेहतर बनाने के लिए भी बहुत सारे लोग काम कर रहे है। ऐसे लोगों के बारे में हम अकसर सुनते हैं। महात्मा गांधी, मदर तेरेसा, नेलसन मंडेला, जैसे लोग हमें बताते है कि जिंदगी किस प्रकार बितानी है। महात्मा गांधी ने स्वार्थहीन होकर अपने देश को आज़ादी दिलाने के लिए अपना सब कुछ त्याग दिया। मदर तेरेसा ने अपनी पूरी जिंदगी गरीब और जरूरतमंद लोगों की सेवा में निकाल दी। नेलसन मंडेला ने बिना किसी भेदभाव के बेसहारों की सहायता की, ऐसे कई अनगिनत उदाहरण मौजूद हैं। यह सारे लोग इंसानियत, दया, करुणा की मिसाल हैं। ऐसा सामाजिक कार्यकर्ताओं से प्रेरणा लेकर हमें अपनी जिंदगी बितानी चाहिए।

जिंदगी के एक नशा है ऐसे जिसके दो

पहलू है, इसके फायदे भी है और नुकसान भी जिंदगी में खुशी भी है और गम भी चाहे जितनी भी समस्याएँ हो, हर एक समस्या का हल भी है तो इसलिए यह एक मनुष्य के चरित्र और व्यक्तित्व पर निरभर करता है कि वो कौनसा रासता चुन रहा है। वो झूठ और मक्कारी का रास्ता चुनकर आसानी से भी जी सकता है और सच्चाई चुनकर कड़ी मेहनत कर खुशी से भी जी सकता है। मनुष्य को सच्चाई चुनकर सारी चुनौतियों का सामना कर जिंदगी के मज़े लेने चाहिए। ~~अगर~~ अगर सही रास्ता चुने तो जिंदगी का नशा बुरा नहीं होता है।